RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com

खबरों व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
संचार जगत
मो.नम्बरः- +917357161599

संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

sancharjagat.com

editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो।'

वर्षः 13 | अंकः 289 जयपुर, रविवार, 22 नवम्बर 2026 मूल्यः 2.00 रूपए पृष्ठः 4

▶ अपने ही फेडरल रिजर्व बैंक पर साधा निशाना

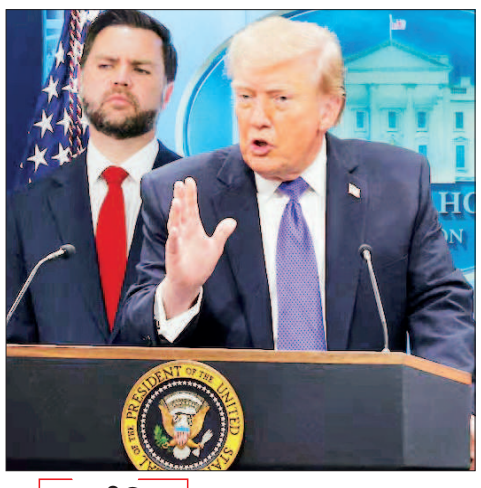
भारत की ब्याज दरों के मुरीद हुए ट्रंप, विकास दर की खूब की तारीफ

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- भारत में ब्याज दरें कम, इसलिए 7 प्रतिशत की है विकास दर, हम घटाएं तो 15 से 20 फीसदी तक संभव...

नई दिल्ली/संचार जगत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की कम ब्याज दरों और करीब सात फीसदी आर्थिक विकास दर की तारीफ करते हुए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की आलोचना की है।

उन्होंने दावा किया कि यदि अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो उसकी आर्थिक विकास दर 15 से 20 फीसदी तक पहुंच सकती है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरों को लेकर राजनीतिक रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के आर्थिक आंकड़े मजबूत होने के बावजूद फेड ब्याज दरें बढ़ाता है, जबकि ऐसी स्थिति में उन्हें कम किया जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि वह फेड चेयरमैन को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहरा रहे, लेकिन संस्था के फैसलों में राजनीति का प्रभाव दिखाई देता है। उनके मुताबिक, मजबूत आर्थिक आंकड़ों के समय ब्याज दरें घटाने से कारोबार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इससे देश की कर्ज चुकाने की क्षमता भी बढ़ेगी। उन्होंने पूर्व फेडरल रिजर्व चेयरमैन एलन ग्रीनस्पैन की मौद्रिक नीति की तारीफ करते हुए कहा कि अच्छे आर्थिक आंकड़े आने पर वे ब्याज दरें कम करते थे। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका मौजूदा नीति के बजाय ऐसी ही व्यवस्था अपनाए तो उसकी विकास दर चार फीसदी के बजाय 15 से 20 फीसदी तक पहुंच सकती है और देश तेजी से अपना कर्ज चुका सकेगा।



राजनीतिक रवैया अपनाने का आरोप...

भारत की विकास दर का दिया उदाहरण...

भारत का उदाहरण देते हुए ट्रंप ने कहा कि वहां ब्याज दरें कम हैं और अर्थव्यवस्था करीब सात फीसदी की दर से बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका की आर्थिक क्षमता को देखते हुए वहां भी कम ब्याज दरों से कहीं अधिक विकास दर हासिल की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की ब्याज दरें दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले सबसे कम होनी चाहिए। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब अमेरिका में महंगाई दर फेडरल रिजर्व के दो फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) महंगाई दर 3.6 फीसदी और खाद्य एवं ऊर्जा की कीमतों को छोड़कर कोर पीसीई महंगाई दर 3.1 फीसदी रही। फेडरल रिजर्व महंगाई को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों का इस्तेमाल करता है। वहीं, ट्रंप कम ब्याज दरों के पक्षधर हैं, ताकि कर्ज सस्ता होने से कारोबार, निवेश और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके।

पीएम मोदी बोले- मैंने बोला था कि सोना खरीदना कम कर दो, देश के पैसे बच गए

कौशल दीक्षांत समारोह में बोले प्रधानमंत्री- देश का भविष्य डिग्री से नहीं, हुनर से बनेगा

नई दिल्ली/संचार जगत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में सोने की खरीदारी को लेकर करीब एक साल पहले दी गई अपनी सलाह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने देशवासियों से अपील की थी कि बहुत जरूरी न होने पर एक साल तक सोना न खरीदें। शुरुआत में कई लोगों ने उनकी इस बात का मजाक उड़ाया, लेकिन अब लोग उनसे कह रहे हैं कि उनकी सलाह मानने से उनके पैसे बच गए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देशवासियों ने उनकी अपील पर भरोसा किया और सोने की खरीदारी कम की। उन्होंने इसकी तुलना पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की उस अपील से की, जिसमें उन्होंने देशवासियों से एक समय का भोजन छोड़ने का आग्रह किया था। युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का भविष्य केवल डिग्री और प्रमाणपत्रों से नहीं, बल्कि कौशल और हुनर से भी बनेगा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक नौकरियों में डिग्री को अधिक महत्व दिया गया, जबकि व्यावहारिक कौशल पीछे छूट गया। उन्होंने दादाजी धर्माधिकारी की किताब का एक प्रसंग सुनाते हुए बताया कि एक स्नातकोत्तर युवक नौकरी की सिफारिश के लिए उनके पास पहुंचा था। वह बार-बार अपनी डिग्री का जिक्र कर रहा था। (शेष पेज 8 पर)



50 साल पहले सेमीकंडक्टर कंपनी को रोका गया, अब देश में शुरू हुआ उत्पादन

खड़गपुर, आरएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी खड़गपुर के 75वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि करीब 50 साल पहले भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए आई एक कंपनी का विरोध किया गया था। उस समय इसकी जरूरत पर सवाल उठाए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठकर इस दिशा में पहल की और आज देश में कई सेमीकंडक्टर कंपनियां उत्पादन शुरू कर चुकी हैं। मोदी ने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर से जुड़ी 12 प्लांट सुविधाएं हैं। इनमें माइक्रोन टेक्नोलॉजी, केन्स सेमीकॉन, सीजी सेमी, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया और सुचि सेमीकॉन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी खड़गपुर ने 75 वर्षों में भारत को बैलगाड़ी से बुलेट ट्रेन और डाक पत्रों से सोशल मीडिया तक का सफर करते देखा है।

वैशाली में कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का किया उद्घाटन

वैशाली, आरएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के वैशाली में गंगा नदी पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल का उद्घाटन किया। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सम्मान में इस पुल का नाम नीतीश सेतु रखा गया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने नीतीश के राजनीतिक योगदान और बिहार में उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य को सुशासन का भरोसा मिला। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 21 विभागों की 227 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 34,470 करोड़ रुपये से अधिक है। उन्होंने 100 पीएम-ईबस को हरी झंडी भी दिखाई। कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) समेत कई नेता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा नदी पर बने इस पुल का नाम नीतीश कुमार के सम्मान में रखा गया है।



कहा- 12 साल में 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

ऑपरेशन सिंदूरः चीन ने भारत के खिलाफ रणनीति के तहत की थी पाक की मदद...

यूएस रिपोर्ट में भारत को रोकने के चीनी अभियान की ओर इशारा

नई दिल्ली/ह्यूसंचार जगत

यूएस कांग्रेस के एक पैनल ने नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर' में पाक को चीन का सैन्य समर्थन, भारत के उदय को दबाने' की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा था।

पैनल ने चेतावनी दी है कि बीजिंग, नई दिल्ली के रणनीतिक प्रभाव को सीमित करने के लिए सीमा पर सैन्य दबाव, आर्थिक बैन और समुद्री विस्तार का इस्तेमाल कर रहा है। यूएस -चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग ने चीन के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव का मुकाबला करने वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच खुफिया जानकारी, समुद्री मामलों और विनिर्माण के क्षेत्र में गहरे सहयोग का आह्वान किया है। रिपोर्ट में एशिया में शक्ति संतुलन तय करने व बीजिंग की रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को रोकने में भारत के महत्व पर भी जोर दिया गया है।



क्या उभरते भारत से घबराया हुआ है चीनः आयोग ने कहा कि बीजिंग भारत को एक उभरती हुई रणनीतिक चुनौती के रूप में देखता है और भारत के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए सैन्य, आर्थिक और समुद्री दबाव का इस्तेमाल करता है।

अमेरिका के लिए भारत का महत्व- चीन का दूसरा मोर्चा

भारत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीति का भविष्य शीर्षक वाले एक अध्याय में, कांग्रेसनल कमीशन ने कहा है कि इस्लामाबाद के साथ बीजिंग की बढ़ती सुरक्षा साझेदारी ने भारत के लिए टू-फ्रंट वॉर की संभावना को एक गंभीर चिंता बना दिया है। मई 2025 के भारत-पाक संघर्ष का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दिखाया कि कैसे चीन, सीधे तौर पर लड़ाई में शामिल हुए बिना, संकट के समय पाक की मदद कर सकता है। कमीशन के अनुसार, इस तरह का समर्थन पाक के साथ भविष्य में होने वाले किसी भी टकराव में भारत की सैन्य योजना को जटिल बना सकता है। इसमें आगे कहा है कि इस्लामाबाद के साथ चीन की विकसित होती सैन्य साझेदारी ने नई दिल्ली के लिए टू-फ्रंट वॉर की स्थिति को एक अत्यंत गंभीर चिंता का विषय बना दिया है।

भाजपा में शामिल हुए युजवेंद्र चहल



नई दिल्ली/संचार जगत

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा की कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर की गई है।

चहल को ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य अमरपाल मौर्य ने पार्टी में शामिल कराया। चहल की नियुक्ति ओबीसी मोर्चा की नई राष्ट्रीय टीम के गठन के तहत की गई है। उनके अलावा ओडिशा के प्रोफेसर अद्वैत चरण गडनायक और उत्तर प्रदेश की अधिवक्ता सीमा समृद्धि कुशवाहा को भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। नियुक्ति सूची में चहल का नाम दिल्ली के तहत दर्ज है। वहीं मध्य प्रदेश के वैभव पंवार और बिहार के भीम कुमार साहू को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

मप्र के वैभव पंवार को बनाया गया राष्ट्रीय सचिव

नीट पेपर लीक मामले में 14 आरोपियों पर आरोप तय...

25 नवंबर से रोजाना होगी सुनवाई

नई दिल्ली/संचार जगत

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष फास्ट ट्रैक अदालत ने शनिवार को सभी 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। इनमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े तीन विषय विशेषज्ञ भी शामिल हैं। सभी आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताते हुए मुकदमे का सामना करने की बात कही है। अदालत ने 25 नवंबर से मामले की रोजाना सुनवाई करने का फैसला किया है।

विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार सहित विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं। अदालत ने 18 नवंबर को 206 पन्नों के आदेश में प्रथम दृष्टया आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य होने की बात कही थी। अदालत के अनुसार, एनटीए के लिए काम करने वाले मनीषा गुरुनाथ मंधारे, पीवी कुलकर्णी और मनीषा संजय हवालदार पर परीक्षा के गोपनीय प्रश्न अवैध तरीके से हासिल कर अन्य आरोपियों तक पहुंचाने का आरोप है। इनमें मंधारे जीव विज्ञान, कुलकर्णी रसायन विज्ञान और हवालदार भौतिक विज्ञान की विशेषज्ञ थीं। सीबीआई के आरोप-पत्र के मुताबिक, विशेषज्ञों ने दिल्ली स्थित एनटीए कार्यालय के गोपनीय अनुभाग से अलग-अलग तरीकों से प्रश्न बाहर निकाले। एक आरोपी ने प्रश्नों को कागज की पर्चियों पर लिखा, जबकि अन्य ने उन्हें याद कर होटल के कमरों में लिख लिया या पाठ्यपुस्तकों में संबंधित अंश चिह्नित किए। आरोप-पत्र में पीवी कुलकर्णी पर रसायन विज्ञान के 135 प्रश्न और उनके विकल्प कागज पर नोट करने का आरोप भी लगाया गया है। (शेष पेज 8 पर)

20 हजार पन्नों का आरोप-पत्र दाखिल

हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा के कार्यालयों में हंगामा

नई दिल्ली, आरएनएन। सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कथित प्रतिबंधों के विरोध में इंडियन यूथ कांग्रेस ने हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा के कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन किया। संगठन ने मेटा को सात दिन का अल्टीमेटम देते हुए विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के

चार नेताओं समेत कई पर एफआईआर, भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

अकाउंट्स पर लगी पाबंदियां हटाने की मांग की है। वहीं, हैदराबाद कार्यालय में तोड़फोड़ और मुंबई में संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। यूथ कांग्रेस का आरोप है कि मेटा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट प्रतिबंधित कर दिए थे। संगठन ने इसे विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश बताया है। यूथ कांग्रेस के मुताबिक, प्रदर्शन के करीब 15 मिनट बाद दोनों अकाउंट बहाल कर दिए गए।

नई सफलता 8 किमी दूर तक भेद सकती है लक्ष्य, एक वाहन पर 12 मिसाइलें तैनात करने की क्षमता, एक ही लक्ष्य पर डबल अटैक

पोखरण में गाइडेड मिसाइल बघीरा एटी-1 ने दिखाई ताकत

नई दिल्ली/संचार जगत

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अपने वाहन पर तैनात एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली बघीरा एटी-1 का प्रदर्शन किया। 20 नवंबर को हुए इस परीक्षण में चार मिसाइलें दागी गईं। प्रदर्शन के दौरान दिन और रात दोनों परिस्थितियों में लक्ष्य को निशाना बनाया गया। भारतीय सेना, सैन्य मामलों के विभाग और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी इस दौरान मौजूद रहे।

कंपनी के अनुसार, इस प्रणाली को 18 महीने के डिजाइन और विकास के बाद तैयार किया गया है। इसमें मिसाइल, स्वचालित लॉन्चर, दिन और रात में लक्ष्य पहचानने वाले उपकरण तथा कंपनी का विकसित 4एक्स4 हाई मोबिलिटी बख्तरबंद वाहन शामिल है।

अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने किया परीक्षण



8 किलोमीटर तक मारक क्षमता

बघीरा एटी-1 की प्रमुख विशेषता इसकी 8 किलोमीटर तक लक्ष्य भेदने की क्षमता है। कंपनी का दावा है कि यह जमीन से दागी जाने वाली एंटी-टैंक मिसाइलों की लगभग चार किलोमीटर की प्रभावी मारक दूरी से दोगुनी है। इसकी मिसाइल रेडियो लिंक के बजाय लेजर बीम आधारित मार्गदर्शन प्रणाली से लक्ष्य तक पहुंचती है। कंपनी के मुताबिक, इससे इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग का प्रभाव कम करने में मदद मिलती है।

एक लक्ष्य पर दो मिसाइलें दागने की क्षमता

इस प्रणाली में एक ही लक्ष्य पर तेजी से दो मिसाइलें दागने की सुविधा है। कंपनी के अनुसार, पहली मिसाइल टैंक के सक्रिय सुरक्षा तंत्र (एपीएस) को निशाना बनाती है, जबकि दूसरी उसके सुरक्षा कवच को भेदने के लिए बनाई गई है। प्रणाली में स्वचालित लक्ष्य ट्रैकिंग के साथ दिन के समय के लिए टेलीविजन और रात में लक्ष्य पहचानने के लिए थर्मल इमेजिंग उपकरण भी दिए गए हैं। एक वाहन पर कुल 12 मिसाइलें ले जाने की क्षमता है। इनमें चार मिसाइलें लॉन्चर पर तैनात रहती हैं, जबकि आठ अतिरिक्त मिसाइलें वाहन में रखी जा सकती हैं। कंपनी के अनुसार, वाहन की गतिशीलता के कारण चालक दल मिसाइल दागने के बाद तेजी से अपना स्थान बदल सकता है।

सेना के मौजूदा मिसाइल भंडार में होंगी शामिल

भारतीय सेना के पास फिलहाल दूसरी पीढ़ी की मिलान-2टी और कॉन्कर्स-एम एंटी-टैंक मिसाइलें हैं। तत्काल परिचालन जरूरतों के लिए स्पाइक मिसाइलें भी शामिल की गई हैं। भारत जेवलिन प्रणाली की खरीद की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसमें निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत रही, जो करीब 42 हजार करोड़ रुपये है। इसी अवधि में देश का रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

चचेरे-ममेरे भाई-बहन की शादी पर लगेगी रोक...

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को भेजा नोटिस, करीबी रिश्तों में शादी पर मांगा जवाब

नई दिल्ली/संचार जगत

करीबी रक्त संबंधियों के बीच विवाह और उससे पैदा होने वाले बच्चों की सेहत पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने कहा कि ऐसे विवाहों से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। हालांकि, शादी किससे करनी है, यह व्यक्तिगत पसंद का मामला है और इस पर सीधे रोक लगाने का अधिकार अदालत के पास नहीं है। इस संबंध में कानून बनाने का अधिकार विधायिका के क्षेत्र में आता है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने केंद्र को नोटिस जारी कर करीबी रक्त संबंधियों के बीच विवाह के संभावित स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर उचित कानून बनाने या स्कूल-कॉलेज के पाठ्यक्रम सहित अन्य माध्यमों से जागरूकता फैलाने की संभावना पर विचार करने को कहा।



संपादकीय

आपत्तिजनक हरकतं

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने नेताओं के इंस्टाग्राम अकाउंट निलंबित करने का आरोप लगाते हुए मेटा के हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम के कार्यालयों में जो तोड़फोड़ और हंगामा किया, वह अराजकता का प्रदर्शन ही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मानें तो यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रभारी के इंस्टाग्राम अकाउंट मनमाने ढंग से निलंबित कर दिए गए और यह काम भाजपा सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दबाव में किया गया। यह हास्यास्पद है, क्योंकि इस तरह के मामलों में जहां मेटा का यह तर्क रहता है कि वह भारत के कानूनों का पालन करती है, वहीं सरकार भी कई बार यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह किसी अकाउंट को निलंबित करने का आदेश तब देती है, जब उससे सार्वजनिक या राष्ट्रीय सुरक्षा को हानि पहुंचाने वाली सामग्री पोस्ट की गई हो। मेटा अथवा इन जैसी कंपनियों की किसी कार्रवाई का विरोध अलग बात है, लेकिन उनके दफ्तरों में घुसकर तोड़फोड़ करना अलग बात। दुर्भाग्य से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद में मेटा कार्यालय के अंदर घुसकर गमले तोड़ दिए तो मुंबई में उसके कार्यालय की दीवारों पर पेंट से नारे लिखे और सुरक्षा गार्डों से हाथापाई भी की। गुरुग्राम में उन्होंने मेटा कार्यालय के गेट पर ताला जड़ दिया। इस तरह की हरकतें बहुराष्ट्रीय कंपनियों को गलत संदेश देने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के बीच भारत की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने वाली हैं। यदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विरोध जताना ही था तो उसके लिए अन्य शालीन और प्रभावी तरीके अपनाए जा सकते थे। मेटा से यह पूछा जा सकता था कि उसने किन कारणों से यूथ कांग्रेस के नेताओं के अकाउंट निलंबित किए। वे अदालत का दरवाजा भी खटखटा सकते थे। भारत समेत दुनिया भर में ऐसा ही किया जाता है। कांग्रेस के उग्र कार्यकर्ताओं ने आपत्तिजनक राह पकड़ी। उन्होंने मेटा के कार्यालयों के बाहर हिंसक प्रदर्शन करने के साथ ही उसे सात दिन के अंदर निलंबित अकाउंट बहाल करने का अल्टीमेटम भी दे दिया। यह एक तरह की धमकी ही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इतनी समझ होनी ही चाहिए कि इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स अथवा ऐसे ही अन्य डिजिटल प्लेटफार्म जिस तकनीक के तहत कार्य करते हैं, उसमें एल्गोरिदम की मुख्य भूमिका होती है और वह स्वतः कुछ शब्दों को आपत्तिजनक मानकर या तो पोस्ट हटा देता है अथवा अकाउंट ही निलंबित कर देता है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कुछ समय पहले मेटा ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री मोदी के एक वायरल वीडियो को कुछ घंटों के लिए सीमित कर दिया था। ऐसे में इसे कुतर्क ही कहा जाएगा कि मेटा सरकार के इशारे पर विपक्ष की आवाज दबा रही है।



उत्तर प्रदेश में बदलता चुनावी परिदृश्य

यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने भी स्वीकारा कि प्रदेश में पंचायत चुनाव मतदाता-सूची के मुकाबले विधानसभा मतदाता-सूची में ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं की संख्या 2.38 करोड़ कम है, जिसकी जांच होगी और दोनों सूचियों का मिलान कर सभी वैध नागरिकों, राशन कार्ड धारकों, 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों और एसआइआर के दौरान कटे नामों को सत्यापन के बाद जुड़वाया जाएगा। यह अभियान नवंबर में शुरू हो चुका है। यदि मुख्यमंत्री योगी सही हैं तो इसका अर्थ हुआ कि यूपी की 403 सीटों पर प्रत्येक विधानसभा में औसतन 31,500 हिंदू मतदाताओं के नाम कटे हैं, जिससे चुनावों में भाजपा को नुकसान हो सकता।



पिछले वर्ष के आरंभ में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होंगे। यूपी चुनाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि मान्यता है कि दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर जाता है। संभवतः इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी को भी 2014 में गुजरात से यूपी आना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही दोबारा सत्ता में आकर इतिहास रच चुके हैं और जिस तरह उन्होंने कानून-व्यवस्था में सुधार और चहुंमुखी विकास किया है, उसने उन्हें एक 'ब्रांड' के रूप में स्थापित कर दिया है। 2029 में लोकसभा चुनाव भी हैं। अतः 2027 का विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बहुत संवेदनशील है, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनावों में यूपी में न केवल भाजपा की लोकसभा सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं, वरन वाराणसी में मोदी की जीत का अंतर भी 2019 के मुकाबले काफी कम रहा, जबकि मोदी ने वाराणसी में विकास के बहुत काम कराए। तो क्या बेहतर शासन, कानून-व्यवस्था, लोक कल्याण और विकास से सत्ताधारी दल को वोट नहीं मिलते? उत्तर प्रदेश में हाल में कुछ ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं घटी हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित कर सकती हैं। पहली, मुख्यमंत्री योगी के अनुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर में प्रदेश में 1.27 करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम कटे हैं, जबकि मुस्लिम मतदाताओं के नाम 1.65 प्रतिशत बढ़े हैं। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने भी स्वीकारा कि प्रदेश में पंचायत चुनाव मतदाता-सूची के मुकाबले विधानसभा मतदाता-सूची में ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं की संख्या 2.38 करोड़ कम है, जिसकी जांच होगी और दोनों सूचियों का मिलान कर सभी वैध नागरिकों, राशन कार्ड धारकों, 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों और एसआइआर के दौरान कटे नामों को सत्यापन के बाद जुड़वाया जाएगा। यह अभियान नवंबर में शुरू हो चुका है। यदि मुख्यमंत्री योगी सही हैं तो इसका अर्थ हुआ कि यूपी की 403 सीटों पर प्रत्येक विधानसभा में औसतन 31,500 हिंदू मतदाताओं के नाम कटे हैं, जिससे चुनावों में भाजपा को नुकसान हो सकता। हालांकि यह एक औसत अनुमान ही है, क्योंकि हर विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या के समीकरण अलग-अलग होते हैं। दूसरा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाने और रामलला के दर्शन करने की घोषणा की है, लेकिन यह कहकर उसे चुनावी राजनीति से जोड़ दिया कि वे अयोध्या की जनता से अपील करेंगे कि विधानसभा चुनावों में भाजपा को 'शून्य सीटें' दें। जनता जानना चाहेगी कि अयोध्या के राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद उन्हें वहां जाने में लगभग तीन वर्ष क्यों लगे? चुनावों की संभावित घोषणा के करीब महीने भर पहले उन्हें रामलला के दर्शन की क्यों याद आई? प्राण-प्रतिष्ठा में न जाने का अखिलेश ने कारण दिया था कि भाजपा ने इसे राजनीतिक कार्यक्रम बना दिया है, लेकिन वे स्वयं अपनी अयोध्या यात्रा को राजनीतिक बना रहे हैं। अयोध्या के संतों ने अखिलेश से 1990 में सपा सरकार द्वारा कारसेवकों पर गोली चलवाने को लेकर माफी मांगने की मांग की है। मुस्लिम उनके यू-टर्न पर उनसे छिटक सकता है। क्या मुस्लिम इसे अखिलेश का साफ्ट हिंदुत्व मानकर बसपा या अन्य दलों की ओर जाएगा? वैसे भी 2012 में केवल 29 प्रतिशत वोट पाकर अखिलेश की सपा सरकार बनी थी और लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में 29 सीटें हारने के बाद भी भाजपा का मत-प्रतिशत 41 प्रतिशत था, जो त्रिकोणीय चुनावी-स्पर्धा में स्पष्ट बहुमत के लिए काफी है। 2014 से सबका-साथ, सबका-विकास के समावेशी संकल्प से भाजपा ने राजनीति में जनता के बीच पैठ बनाई है और समाज के सभी वर्गों को सत्ता और संगठन में प्रतिनिधित्व देकर उनका भरोसा जीता, जबकि अन्य दल अभी पूरे समाज को साथ लाने के संकल्प से दूर हैं। सपा जहां पीडीए (पिछड़े-दलित-अल्पसंख्यक), वहीं बसपा दलितों की बात करती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जो सबको साथ लेकर नहीं चलेगा, वह विजयी कैसे होगा? तीसरी घटना के तहत एआइएमआइएम के असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर आजाद ने मिलकर यूपी में 'सामाजिक-परिवर्तन-मोर्चा' बनाया है, जो दलित-मुस्लिम समीकरण द्वारा सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। ओवैसी की वजह से कुछ मुस्लिम उनके प्रत्याशियों को वोट दे सकते हैं, मगर अधिकतर मुस्लिम समाज संभवतः सपा, बसपा या कांग्रेस के ऐसे प्रत्याशियों को मत देंगे, जो भाजपा को हराने में सक्षम होंगे। हालांकि कुछ मुस्लिमों को लगता है कि भाजपा के बारे में जो 'नैरेटिव' विपक्षी दलों द्वारा गढ़ा गया, वह गलत है। इसी के साथ तीन-तलाक से राहत और विकास संबंधी तमाम योजनाओं की लाभार्थी मुस्लिम-महिलाओं का भाजपा के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आया है। चौथा घटनाक्रम यही कि लोकसभा चुनाव की तर्ज पर विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस-सपा गठबंधन के प्रयास जारी हैं, लेकिन सपा जितनी सीटें कांग्रेस को देगी, उतनी सीटों पर उसके अपने प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य पर ग्रहण लग जाएगा। ऐसे प्रत्याशी बागी होकर नुकसान पहुंचा सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 399 सीटों पर लड़ी और केवल दो सीटें जीती। उसने 2.33 प्रतिशत मत प्राप्त किए। 387 सीटों पर उसकी जमानत जब्त हुई। ऐसे दल से सपा को गठबंधन क्यों करना चाहिए? कांग्रेस ने क्या किया है, जिससे लगे कि प्रदेश में उसका जनाधार बढ़ा है? सपा का जन्म डा. लोहिया द्वारा प्रोत्साहित गैर-कांग्रेसवाद की राह पर हुआ था, तो क्या सपा ने डा. लोहिया के विचारों को दरकिनार कर दिया है? वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 'वी विल डू इट' यानी हम कर के रहेंगे से शुरुआत कर दी है।

जीवनशैली



हम चीजें खरीदते क्यों हैं?

हमारी खरीदारी की आदतें केवल जरूरतों से तय नहीं होतीं। कई बार हम वह भी खरीद लेते हैं जिसकी हमें तत्काल आवश्यकता नहीं होती, लेकिन जो हमें बेहतर, आधुनिक, सफल या दूसरों से अलग महसूस कराती है। किसी नए मोबाइल से लेकर ब्रांडेड कपड़ों, महंगे कॉस्मेटिक्स और ऑनलाइन सेल में खरीदी गई चीजों तक, हर खरीद के पीछे मनोविज्ञान काम करता है। जरूरत, भावनाएं, सामाजिक दबाव और विज्ञापन मिलकर हमारे खरीदने के फैसले को प्रभावित करते हैं।

जरूरत, दिखावा और विज्ञापन के बीच उपभोक्ता मनोविज्ञान

जरूरत और इच्छा में फर्क क्या है?

खरीदारी का सबसे सामान्य आधार जरूरत है। भोजन, कपड़े, घर का सामान या काम से जुड़ी चीजें वास्तव में जीवन को आसान बनाती हैं। लेकिन जरूरत और इच्छा के बीच की सीमा अक्सर धुंधली हो जाती है। उदाहरण के लिए, फोन की जरूरत हो सकती है, लेकिन हर साल नया मॉडल खरीदना जरूरी नहीं होता। बेहतर कैमरा, नया डिजाइन या अतिरिक्त फीचर हमारी इच्छा को जरूरत जैसा महसूस करा सकते हैं। यही अंतर उपभोक्ता मनोविज्ञान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम अक्सर यह तय करने से पहले कि हमें क्या चाहिए, यह सोचने लगते हैं कि हमें क्या पसंद है।

दिखावे से जुड़ी खरीदारी

इंसान सामाजिक प्राणी है और इसलिए दूसरों की नजर में अपनी छवि उसके फैसलों को प्रभावित करती है। महंगे ब्रांड के कपड़े, लग्जरी घड़ी, प्रीमियम कार या नवीनतम स्मार्टफोन कई बार उपयोगिता से अधिक सामाजिक पहचान का माध्यम बन जाते हैं। इसे 'स्टेटस कंजम्पशन' कहा जाता है। यानी किसी वस्तु को केवल उसके इस्तेमाल के लिए नहीं, बल्कि उससे मिलने वाली प्रतिष्ठा या पहचान के लिए खरीदना। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। दूसरों की चमकदार जिंदगी देखकर हमें भी वैसी ही चीजें खरीदने की इच्छा हो सकती है।



विज्ञापन हमारे दिमाग को कैसे प्रभावित करते हैं?

विज्ञापन सिर्फ किसी उत्पाद की जानकारी नहीं देते, वे उसके साथ एक भावना भी जोड़ते हैं। कोई परफ्यूम आत्मविश्वास से जुड़ जाता है, कोई कार सफलता का प्रतीक बनती है और कोई कॉस्मेटिक सुंदरता या आत्मसम्मान से जोड़ दिया जाता है। विज्ञापन का असर तब और बढ़ जाता है जब उसमें सेलिब्रिटी, आकर्षक दृश्य, सीमित समय का ऑफर या 'अभी खरीदें' जैसी भाषा इस्तेमाल की जाती है। इससे हमारे भीतर तुरंत निर्णय लेने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार हम उत्पाद नहीं, बल्कि उससे जुड़ी जीवनशैली खरीद रहे होते हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग और तुरंत संतुष्टि



ई-कॉमर्स ने खरीदारी को बेहद आसान बना दिया है। कुछ सेकंड में किसी वस्तु को खोजकर ऑर्डर किया जा सकता है। डिस्काउंट, फ्लैश सेल, कूपन और फ्री डिलीवरी जैसी सुविधाएं खरीदारी को और आकर्षक बनाती हैं। यहां 'इंस्टेंट ग्रैटिफिकेशन' यानी तुरंत मिलने वाली संतुष्टि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खरीदारी करने के बाद मिलने वाला उत्साह कुछ समय के लिए हमें अच्छा महसूस करा सकता है। यही कारण है कि कभी-कभी हम बिना योजना के भी चीजें खरीद लेते हैं।

समझदारी से खरीदारी की आदत

जागरूक उपभोक्ता बनने का मतलब हर चीज खरीदना बंद करना नहीं, बल्कि खरीदारी के पीछे की वजह समझना है। बजट बनाना, कुछ समय इंतजार करना, कीमतों की तुलना करना और जरूरत तथा इच्छा को अलग-अलग पहचानना मददगार हो सकता है। आखिरकार, हम जो खरीदते हैं वह सिर्फ हमारे सामान को नहीं, हमारी प्राथमिकताओं को भी दिखाता है। इसलिए अगली बार क्लिक करने से पहले एक पल रुकना शायद सबसे समझदार खरीदारी हो सकती है।

क्या हर खरीदारी गलत है?

बिल्कुल नहीं। खरीदारी जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है और अच्छी खरीदारी जीवन को आरामदायक भी बनाती है। समस्या तब शुरू होती है जब खरीदारी जरूरत से अधिक भावनाओं, तुलना या दबाव से संचालित होने लगे। खरीदने से पहले खुद से तीन सवाल पूछना उपयोगी हो सकता है क्या मुझे इसकी वास्तव में जरूरत है? क्या मेरे पास पहले से इसका विकल्प मौजूद है?

रविवार का बदलता मतलब



छुट्टी से 'खुद के लिए समय' तक का सफर

कभी रविवार का नाम सुनते ही मन में एक अलग ही तस्वीर उभरती थी। देर तक सोना, परिवार संग बैठकर चाय-नाश्ते के साथ अखबार पढ़ना, घर की सफाई, रिश्तेदारों से मिलना और टीवी पर पसंदीदा कार्यक्रम देखना। बच्चों के लिए रविवार का मतलब स्कूल से छुट्टी और बड़ों के लिए सप्ताहभर की थकान उतारने का दिन होता था। लेकिन समय के साथ रविवार का यह पारंपरिक चेहरा काफी बदल गया है। आज का रविवार आराम के साथ-साथ व्यक्तिगत पसंद, मनोरंजन, बाहर घूमने व खुद के लिए समय निकालने का दिन भी बन गया है।

अब रविवार में 'खुद के लिए समय' भी जरूरी

आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने रविवार की प्राथमिकताएं बदल दी हैं। काम का दबाव, लंबा सफर, डिजिटल दुनिया और लगातार जुड़े रहने की आदत के कारण लोग अब छुट्टी के दिन केवल परिवार के साथ समय बिताने के बजाय खुद के लिए भी वक्त चाहते हैं। किसी के लिए रविवार सुबह जिम जाने का समय है, तो किसी के लिए किताब या फिर चाय-कॉफी के साथ अखबार पढ़ने, संगीत सुनने या अकेले कॉफी पीने का। युवा वर्ग के लिए यह दोस्तों के साथ मिलने, शॉपिंग करने या शहर में नई जगह तलाशने का दिन भी हो सकता है। यानी रविवार अब केवल 'फैमिली टाइम' नहीं रहा, बल्कि 'खुद के लिए समय' का महत्व भी बढ़ा है।

मनोरंजन घर से निकलकर स्क्रीन पर आया

रविवार के मनोरंजन में सबसे बड़ा बदलाव डिजिटल माध्यमों ने किया है। पहले मनोरंजन के विकल्प सीमित थे। टीवी पर आने वाली साप्ताहिक फिल्म या कोई खास कार्यक्रम पूरे परिवार के देखने का कारण बनता था। अब ओटीटी प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम और वीडियो कंटेंट ने मनोरंजन की दुनिया को व्यक्तिगत बना दिया है। अब एक ही घर में अलग-अलग लोग अपनी पसंद का कंटेंट देख सकते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन सामूहिक मनोरंजन की पुरानी आदत कुछ कमजोर भी हुई है। पहले पूरा परिवार एक कार्यक्रम के सामने बैठता था, जबकि आज हर हाथ में अलग स्क्रीन दिखाई देती है।

बाहर घूमने का बढ़ा चलन

शहरी जीवनशैली में रविवार अब छोटी यात्राओं और आउटिंग का दिन भी बन गया है। कैफे, रेस्तरां, मॉल, पार्क और पर्यटन स्थलों पर सप्ताहांत की भीड़ इसका उदाहरण है। परिवार बच्चों को घुमाने निकलते हैं, युवा दोस्तों के साथ समय बिताते हैं और कई लोग शहर से बाहर एक दिन की यात्रा करना पसंद करते हैं। रविवार की आउटिंग अब केवल अनुभव नहीं, तस्वीरें और यादें साझा करने का अवसर भी बन गई है।

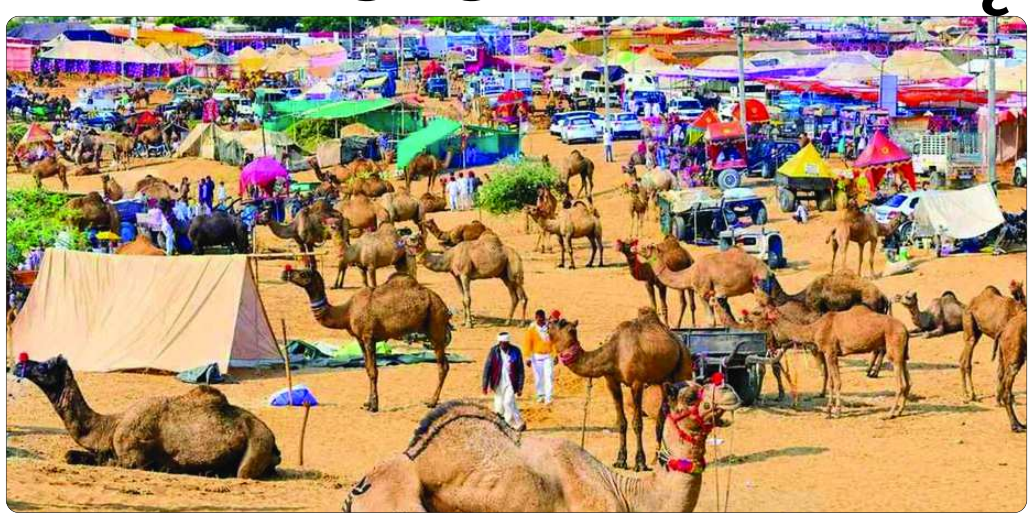
रविवार का रूप बदला, मूल जरूरत वही है

रविवार का रूप भले बदल गया हो, लेकिन इसकी मूल जरूरत आज भी वही है। व्यस्त जीवन से थोड़ा ठहरना। फर्क इतना है कि पहले आराम का मतलब परिवार के साथ बैठना अधिक था और आज आराम का अर्थ व्यक्ति की अपनी पसंद पर निर्भर करता है। जरूरत इस बात की है कि रविवार पूरी तरह मोबाइल, काम या स्क्रीन के हवाले न हो जाए। परिवार के साथ कुछ समय, दोस्तों के साथ हंसी-मजाक और खुद के लिए थोड़ा 'मी टाइम'। इन तीनों का संतुलन रविवार को सचमुच खास बना सकता है। आखिर रविवार कैलेंडर में सिर्फ एक छुट्टी नहीं, बल्कि जिंदगी को थोड़ी धीमी रफ्तार से जीने का मौका है।



रेगिस्तान के रंगों में जीवंत हो रही राजस्थान की संस्कृति और परंपरा

संचार जगत



पुष्कर। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था का प्रतीक विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला 2026 अपने अनूठे रंगों के साथ इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

24 नवंबर तक आयोजित हो रहे इस मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक, श्रद्धालु और पशुपालक पहुंच रहे हैं। पुष्कर की रेतीली धरती पर सजे-धजे ऊंट, घोड़े, रंग-बिरंगी राजस्थानी पोशाकें और संगीत की गूंज यहां आने वाले लोगों को राजस्थान की असली संस्कृति से रूबरू करा रही है। पुष्कर मेला पशुओं की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की लोक कला, परंपरा, खानपान व्यापार और धार्मिक विरासत का अनूठा संगम है। मेले में राजस्थान के अलग-अलग जिलों से पशुपालक अपने ऊंट, घोड़े और अन्य पशुओं के साथ पहुंच रहे हैं। ऊंटों को आकर्षक आभूषणों, रंगीन कपड़ों और पारंपरिक डिजाइनों से सजाया गया है, जो पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं। पुष्कर अपने खास खानपान के लिए भी मशहूर है। यहां रबड़ी मालपुआ, खस्ता कचौड़ी, दाल-बाटी चूरमा और ऊंटनी के दूध की चाय खासतौर पर लोगो के स्वाद का केन्द्र बनी हुई हैं।

पेरू में 6.8 तीव्रता के भूकंप से फैली दहशत



संचार जगत

लीमा। पेरू में शुक्रवार को 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे राजधानी लीमा समेत कई इलाकों में धरती कांप उठी। झटके महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए और सांसदों को संसद भवन खाली करना पड़ा। भूकंप का केंद्र जुनिन क्षेत्र में 129 किलोमीटर की गहराई पर था। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई। इसका केंद्र एंडीज पर्वतीय इलाके के जुनिन क्षेत्र में था। इसका असर राजधानी लीमा तक महसूस किया गया, जो भूकंप के केंद्र से काफी दूर है। भूकंप के दौरान लीमा में लोग घरों और इमारतों से बाहर निकलकर सुरक्षित जगहों की ओर भागे। इस इलाके में पहली बार इतनी तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया है।

चित्तौड़गढ़ साहित्य उत्सव 3 से होगा शुरु

संचार जगत

जयपुर। चित्तौड़गढ़ में 3 से 5 फरवरी 2027 तक तीन दिवसीय चित्तौड़गढ़ साहित्य उत्सव-2027 आयोजित किया जाएगा। श्री सांवलिया जी धर्मशाला में प्रस्तावित इस राष्ट्रीय आयोजन में देश के सभी 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों के साहित्यकारों, लेखकों, कवियों, कलाकारों और संस्कृतिकर्मियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला सुरक्षा की दिशा में जयपुर पुलिस की अभिनव पहल

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने किया पत्रिका गेट स्थित पिंक बूथ का उद्घाटन

महिलाओं और बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर मिलेगी त्वरित पुलिस सहायता

संचार जगत



जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से महिला सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पत्रिका गेट, जवाहर सर्किल पर स्थापित महिला सुरक्षा एवं सहायता बूथ (पिंक बूथ) का उद्घाटन किया। वहीं, अशोक नगर टी-पॉइंट (महारानी कॉलेज के पास), गौरव टावर के पास तथा सिटी पार्क, मानसरोवर स्थित अन्य तीन पिंक बूथों का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। डीजीपी शर्मा ने इस पहल के लिए पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल एवं जयपुर पुलिस की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि महिला सुरक्षा एवं सहायता बूथ (पिंक बूथ) की स्थापना से महिलाओं एवं बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित माहौल के साथ-साथ त्वरित सहायता भी उपलब्ध हो सकेगी। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि प्रथम चरण में जयपुर के चार प्रमुख स्थानों पर पिंक बूथ स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर महिला पुलिसकर्मी सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक दो शिफ्टों में उपस्थित रहेंगी। किसी भी महिला या बालिका को आवश्यकता होने पर तत्काल सहायता, शिकायत के संबंध में मार्गदर्शन एवं आवश्यक पुलिस सहयोग सुनिश्चित हो सकेगा। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि महिलाओं के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुरक्षित करने के लिए पिंक बूथों पर आधुनिक तकनीक, सीसीटीवी, राजकॉप सिटीजन ऐप एवं क्यूआर कोड आधारित सुविधाएं उपलब्ध हैं। उल्लेखनीय है कि पिंक बूथ पर छेड़छाड़, पीछा करने, अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा सहित महिलाओं से जुड़ी समस्याओं में पुलिस सहायता एवं आवश्यक कार्रवाई की सुविधा उपलब्ध रहेगी। यहां सुरक्षित प्रतीक्षा स्थल, प्राथमिक उपचार, सैनिटरी पैड तथा पुलिस एवं पीसीआर से तत्काल संपर्क की व्यवस्था होगी। बूथ पर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने के साथ आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त महिला गरिमा हेल्पलाइन 1090 और आपातकालीन हेल्पलाइन 112 की सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। पिंक बूथ के उद्घाटन के बाद बूथ पर तैनात पुलिस कार्मिकों से डीजीपी शर्मा और कमिश्नर मित्तल ने संवाद किया।

पुष्कर मेला-2026 विकास प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ, डीआईपीआर और पशुपालन विभाग आकर्षण के केन्द्र



संचार जगत

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्री पुष्कर मेला 2026 के अंतर्गत शुक्रवार को विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। पुष्कर नगर परिषद के सभापति श्री राजेन्द्र बाकोलिया, उप सभापति श्रीमती लक्ष्मी पाराशर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रामप्रकाश, प्रशिक्षु आईएएस श्री अर्णव आनन्द गुप्ता एवं मेला अधिकारी डॉ. नवीन परिहार ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया । विकास प्रदर्शनी में जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों, पुष्कर मेले की अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी के उद्घाटनकर्ताओं ने प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। पशुपालन विभाग की प्रदर्शनी में पशुपालकों को सलाह, विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई है। यहां गौकाष्ठ के बारे में जानकारी दी जा रही है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में राज्य तथा जिले में हुए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह प्रदर्शनी आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। राजीविका की महिलाओं के द्वारा उत्पादित सामग्री के बारे में अतिथियों को अवगत कराया गया। इनके द्वारा उत्पादित सामग्री उच्च गुणवत्ता युक्त एवं बाजार से कम दरों पर उपलब्ध है।

सिलेंडर हादसे में झुलसे 14 मरीज एसएमएस में इलाज जारी



संचार जगत

कोटपूतली-बहरोड़। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बानसूर क्षेत्र स्थित बाढ़ मिलकपुर गांव में हुए सिलेंडर विस्फोट की घटना में झुलसे 14 मरीजों को गंभीर अवस्था में जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल लाया गया है। सभी मरीज 30 से 50 फीसदी तक झुलसे हुए हैं, जिनमें से दो महिलाओं की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। बड़ी संख्या में झुलसे हुए मरीजों के पहुंचने की सूचना मिलते ही एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने मास कैजुअल्टी विभाग को अलर्ट कर दिया। बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग सहित आपातकालीन चिकित्सा दल को तुरंत सक्रिय किया गया है, ताकि सभी घायलों को बिना किसी देरी के समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

विशेष लोक अदालत में राजीनामे से मामले निपटे



संचार जगत

टोंक। टोंक जिले में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित इस लोक अदालत में लंबित और मुकदमा दर्ज होने से पूर्व के मामलों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के माध्यम से निस्तारण किया गया। विशेष लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय सहित जिले की समस्त तहसीलों में किया गया। विशेष लोक अदालत में प्रकरणों के प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण के लिए जिले में आठ विशेष लोक अदालत पीठों का गठन किया गया। इनमें लंबित श्रेणी के 1027 प्रकरण सुनवाई एवं निस्तारण के लिए रखे गए। इनमें से 53 प्रकरणों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के माध्यम से निस्तारण किया गया।

राज्यपाल ने गणगौर कला महोत्सव का किया शुभारम्भ



संचार जगत

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में आयोजित गणगौर कला महोत्सव का शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने वहां कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और राजस्थान की कलाओं के प्रदर्शन की सराहना की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भी उपस्थित रहीं। राज्यपाल ने राजस्थानी में अपनी बात रखते हुए कहा कि राजस्थान गणगौर संस्कृति से जुड़ा राज्य है। उन्होंने कहा कि अभावों में भी भाव भरने वाला राजस्थान बार-बार अकाल की मार सहने के बावजूद थमा नहीं, विकास की नई करवट लेता आगे बढ़ता रहा है। उन्होंने राजस्थान को भौगोलिक विषमता और अभावों में उत्सवधर्मिता का वरण करने वाले बताते हुए इसकी कला संस्कृति की सराहना की। बागडे ने गणगौर कला महोत्सव के बहाने भक्ति और शक्ति के संगम राजस्थान के कण-कण में व्याप्त त्याग, तपस्या और बलिदान की गाथाओं को याद करते प्रदेश के विकास का संकल्प लेने पर जोर दिया।

पंचायत चुनावों में कांग्रेस की जीत, भाजपा पर कसा तंज

संचार जगत



सीकर। पंचायत चुनावों के नतीजों को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और जनता के पैसे के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पंचायत चुनावों के आंकड़े पेश किया। दूसरी ओर, मुंबई में कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई ने राजस्थान के चुनाव परिणामों को भाजपा के खिलाफ जनता की नाराजगी का संकेत बताया और उत्तर प्रदेश में भी सत्ता परिवर्तन की भविष्यवाणी की। खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान में लूट-खसोट और भ्रष्टाचार करने वाली सरकार है। उन्होंने परिवहन विभाग, ई-चालान, नंबर प्लेट, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस और स्मार्ट मीटर से जुड़े मामलों में अनियमितताओं के आरोप लगाए। गोविंद सिंह डोटासरा ने पंचायत चुनावों के परिणामों को लेकर भाजपा के दावों पर सवाल उठाए। डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चयन पर सवाल उठाते हुए कहा कि तीन साल पहले राजस्थान में गुजरात मॉडल लागू करते हुए बिना अनुभव वाले व्यक्ति को पर्ची के जरिए मुख्यमंत्री बना दिया गया। कांग्रेस ने लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान करते हुए इसे स्वीकार किया, लेकिन सरकार जनता से किए गए चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री को केवल भाषण देना आता है।

ओम बिरला ने वनस्थली विद्यापीठ में आयोजित तीन दिवसीय ब्रिक्स विमेन लीडर्स समिट का किया उद्घाटन

ब्रिक्स वुमन लीडर्स समिट का हुआ आगाज

संचार जगत



टोंक। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वनस्थली विद्यापीठ में आयोजित तीन दिवसीय ब्रिक्स विमेन लीडर्स समिट का उद्घाटन किया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ब्रिक्स देशों एवं साझेदार राष्ट्रों से आई महिला सांसदों, नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, उद्यमियों और अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौके पर बिरला ने महिला नेतृत्व, लोकतांत्रिक संस्थाओं में उनकी बढ़ती भागीदारी तथा वैश्विक चुनौतियों के समाधान में महिलाओं की निर्णायक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। ओम बिरला ने कहा कि वैश्विक शांति, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और खाद्य सुरक्षा जैसी जटिल चुनौतियों का समाधान संवाद, सहयोग और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने रेखांकित किया कि कृषि, जल प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा, मानवीय सहायता और पुनर्वास जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में महिलाओं का अनुभव एवं नेतृत्व अत्यंत प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर सकता है। 23 नवंबर तक आयोजित हो रहा यह सम्मेलन महिला नेतृत्व, राजनीतिक सहभागिता, क्षमता निर्माण, डिजिटल सिक्योरिटी और साइबर सेफ्टी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श का एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच है।

28 बूथों पर आज दोबारा मतदान



संचार जगत

जयपुर। तकनीकी दिक्कतों की वजह से शुक्रवार को पंचायत चुनाव के वोटों की गिनती प्रभावित हुई। मतगणना के दौरान 28 पोलिंग बूथ की ईवीएम नहीं खुल पाई।

इस वजह से पंचायत समितियों के 22 वार्ड और जिला परिषदों के छह वार्ड के नतीजे रोक दिए गए। इन जगहों पर आज दोबारा वोट डाले जाएंगे। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, सवाई माधोपुर जिले की बोंली, खंडार और बामनवास पंचायत समितियों में एक-एक जगह; राजाखेड़ा और बालेसर में दो-दो जगहों पर; और फलौदी जिले की फलौदी और घंटियाली पंचायत समितियों में एक-एक जगह दोबारा वोटिंग होगी। मोहनगढ़ और केशोरायपाटन में भी एक-एक जगह दोबारा वोटिंग होगी। इसी तरह, पावटा पंचायत समिति में दो और नारायणपुर पंचायत समिति में एक जगह पर दोबारा वोटिंग होगी। बृजनगर और डीग पंचायत समितियों, थानागाज़ी और गोविंदगढ़ पंचायत समितियों और दूदू, चोमू और शाहपुरा पंचायत समितियों में भी एक-एक जगह पर दोबारा वोटिंग होगी। 37 जिलों में घोषित नतीजों ने विपक्षी कांग्रेस को बड़ी बढ़त दी है। कांग्रेस ने अपना सपोर्ट बेस बढ़ाया है और पंचायत समितियों में भाजपा से आगे निकल गई है।

जन सम्पर्क सोसाइटी का पीआर कॉन्क्लेव आयोजित

संचार जगत

जयपुर। पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, जयपुर चैप्टर की ओर से सूचना केंद्र में पीआर कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया। इसमें मीडिया, जनसम्पर्क एवं मीडिया शिक्षा से जुड़े विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, जनसम्पर्क अधिकारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मीडिया एवं जनसम्पर्क के बदलते स्वरूप, व्यावसायिक चुनौतियों,



मीडिया शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मौलिक रचनात्मकता के महत्व पर चर्चा की गई। इस अवसर पर न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया। जन सम्पर्क सोसाइटी जयपुर चैप्टर के चेयरमैन वीरेंद्र पारीक ने बताया कि कॉन्क्लेव का उद्देश्य मीडिया, जनसम्पर्क और मीडिया शिक्षा से जुड़े अनुभवी पेशेवरों एवं युवा विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और जनसम्पर्क के विद्यार्थियों को मुख्यधारा के व्यावसायिक मंचों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। कॉन्क्लेव में मीडिया एवं जनसम्पर्क के वर्तमान संबंधों तथा डिजिटल युग की नई चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने कहा कि बदलते संचार परिदृश्य में विश्वसनीयता, नैतिकता, रचनात्मकता और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति ही मीडिया एवं जनसम्पर्क के भविष्य को मजबूत बनाएगी।

मदन राठौड़ ने ली हार की जिम्मेदारी, कांग्रेस पर भी कसा तंज



संचार जगत

जयपुर। पंचायत राज चुनाव में मिली हार के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने हार की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि पार्टी चुनाव परिणामों की गंभीरता से समीक्षा करेगी और देखेगी कि कहां चूक हुई। राठौड़ ने कहा कि भाजपा जनादेश का सम्मान करती है। पार्टी जनसेवा के लिए और अधिक समर्पित होकर काम करेगी तथा जनता का विश्वास जीतने के लिए पूरी ताकत लगाएगी। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस लगातार सत्ता के दुरुपयोग, ईवीएम और एसआईआर को लेकर आरोप लगाती रही है। लेकिन अब चुनाव परिणामों ने इन आरोपों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने जनादेश स्वीकार किया है, इसलिए कांग्रेस को भी हार और जीत दोनों को स्वीकार करना चाहिए। हार के बाद संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए।

भारत-बुल्गारिया संबंधों को मिली नई गति- एस.जयशंकर

संचार जगत



नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और बुल्गारिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने पर जोर दिया है। नई दिल्ली में बुल्गारिया की अपनी समकक्ष वेलिस्लावा पेत्रोवा-चामोवा के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष, पर्यटन और लोगों की आवाजाही जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने भारत दौरे पर आई बुल्गारिया की मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे अंतराल के बाद हो रही यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों की प्रगति का आकलन करने और भविष्य के सहयोग की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस दौरान विदेश मंत्री ने काला सागर में जहाजों पर हुए हमलों का जिक्र भी किया।

पंचायत चुनाव में दिखा अन्नदाता का आक्रोशः रामपाल जाट

संचार जगत



जयपुर। पंचायत चुनाव परिणामों में सत्ताधारी दल को लगे झटके के पीछे किसानों की नाराजगी बड़े कारण के रूप में उभर कर सामने आई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर फसलों की खरीद में ढाई माह की देरी और चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे के बावजूद बाजरा खरीद शुरू न होने को लेकर किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों से किसान हितों की लगातार की जा रही अवहेलना का सीधा असर पंचायत चुनाव के नतीजों में दिखाई दिया है।

रामपाल जाट ने कहा कि दिसंबर 2023 में वर्तमान भाजपा सरकार के अस्तित्व में आने के बाद से किसानों को लाभकारी मूल्य मिलना तो दूर, घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य भी नसीब नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ता प्राप्ति के लिए प्रसारित चुनाव घोषणा-पत्र में शासनारूढ़ दल ने विशेष रूप से बाजरा खरीद करने का वादा किया था, लेकिन आज तक बाजरा खरीद आरंभ होने की कोई जानकारी नहीं है।

अंतरराज्यीय फार्मास्यूटिकल ड्रग तस्करी का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार



संचार जगत

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की जम्मू जोनल यूनिट ने अपनी दिल्ली जोनल यूनिट के साथ मिलकर दवाओं की तस्करी करने वाले एक अंतर-राज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। आरोप है कि यह गिरोह दिल्ली से कश्मीर घाटी में दवाओं की सप्लाई करता था। एनसीबी ने कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पांच लाख से अधिक टैबलेट, कैप्सूल और फार्मास्युटिकल दवाओं की बोतलें जब्त की गई हैं। जांच के दौरान, इस खेप को मुख्य रूप से प्राप्त करने वाले संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, जो अनंतनाग जिले का रहने वाला है।

गहलोत ने बजट फाइल्स का दूसरा एपिसोड

संचार जगत



जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया हैंडल्स पर वीडियो सीरीज़ बजट फाइल्स का दूसरा एपिसोड जारी किया। इसमें भाजपा सरकार की बजट घोषणा खेलो राजस्थान यूथ गेम्स की हकीकत को सरकार के अपने बजट दस्तावेज़ों और सार्वजनिक खबरों के आधार पर रखी है। इस मौके पर गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार ने इस घोषणा को दो बजट में दोहराया, पर खिलाड़ियों को मैदान अब तक नहीं मिला। गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार घोषणा करने में कभी देर नहीं करती, पर खेल कराने में दो साल चार महीने लगा दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ी मैदान में उतरने को तैयार थे।

सुरक्षित बचपन अभियान के द्वितीय चरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सुरक्षित बचपन अभियान द्वितीय चरण के तहत विद्यालय स्तरीय शिक्षकों का हुआ प्रशिक्षण



संचार जगत

जयपुर। सुरक्षित बचपन अभियान के द्वितीय चरण के तहत विद्यालय स्तरीय क्षमता निर्माण और निरंतर संवेदीकरण के सफल क्रियान्वयन के लिए चयनित सरकारी एवं निजी विद्यालयों के प्रभारी शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजित किया गया।

इस अभियान के अंतर्गत चयनित लगभग 50 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के 79 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। सभी प्रशिक्षित शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में बाल सुरक्षा, पॉक्सो जागरूकता एवं विधिक साक्षरता के लिए रिसोर्स पर्सन डीएलएसए मेट्रो-ढूढ़ के रूप में कार्य कर सकेंगे। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर बच्चों के अधिकारों की रक्षा, निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता तथा संवेदनशील मामलों की समयबद्ध मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग के लिए सक्षम बनाना है।

प्रशिक्षण सत्र में ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर ग्रूमिंग, तकनीक-जनित जोखिमों और सेक्सटॉर्शन जैसे समसामयिक खतरों से बच्चों को बचाने के उपायों पर भी विशेष चर्चा की गई।

इनामी तस्कर सुरेन्द्र साहू गिरफ्तार



संचार जगत

जयपुर। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की। उसने दो साल से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी अपराधी सुरेन्द्र साहू को झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र हरिहरगंज से गिरफ्तार किया। आरोपी बालोतरा जिले के सिणधरी थाना क्षेत्र में दर्ज 261 किलोग्राम डोडा पोस्त तस्करी के मामले में वांछित था और उसने राजस्थान सहित कई राज्यों में अवैध मादक पदार्थ तस्करी का नेटवर्क फैला रखा था। फरार आरोपी सुरेन्द्र साहू तेली अपनी पहचान छिपाकर लगातार ठिकाने बदल रहा था। हरिहरगंज थाना क्षेत्र की एक तेल मिल पर दबिश देने पर आरोपी जंगल की तरफ भागने लगा, जिसे टीम ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा कर पकड़ लिया।

पंचायत चुनाव नतीजों पर राहुल गांधी खुश, कहा यह ग्रामीण भारत की आवाज है

संचार जगत



जयपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पंचायत चुनावों में पार्टी का समर्थन करने के लिए ग्रामीण राजस्थान के मतदाताओं को धन्यवाद दिया है। उन्होंने इस जनादेश को कांग्रेस के लिए एक जिम्मेदारी और राज्य की भाजपा सरकार के लिए एक कड़ा संदेश बताया है। राहुल गांधी ने चुनाव नतीजों पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक पोस्ट को रीट्वीट करते हुए कहा कि ग्रामीण राजस्थान के भाइयों-बहनों को तहे दिल से धन्यवाद। पंचायत चुनावों में आपने कांग्रेस पर जो भरोसा जताया है, अब वह हमारी जिम्मेदारी है। राहुल गांधी ने कहा कि इन नतीजों ने पार्टी की डबल इंजन सरकार को एक सीधा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिक्रिया उस राज्य से आई है जहां खुद भाजपा सत्ता में है, जो डबल इंजन सरकार के लिए एक सीधा संदेश है। उन्होंने ग्रामीण रोजगार, किसानों और स्थानीय स्वशासन से जुड़ी नीतियों को लेकर भाजपा की आलोचना की।

ऑपरेशन मॉनसून थंडर सफल, अमित शाह ने दी बधाई

संचार जगत



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत और अमेरिका की एजेंसियों के संयुक्त अभियान ऑपरेशन मॉनसून थंडर की सफलता पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अमेरिकी ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन को बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भारत और अमेरिका में की गई गिरफ्तारियां और जब्तियां मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने में दोनों देशों की साझेदारी की ताकत को दर्शाती हैं। अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन मॉनसून थंडर को शानदार सफलता मिली है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एनसीबी और अमेरिकी डीईए की सराहना की। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध है कि न तो एक ग्राम मादक पदार्थ भारत में प्रवेश करे और न ही यहां से दूसरे देशों में जाए। इस अभियान के तहत भारत के चार शहरों से छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच के दौरान करीब 3 हजार पार्सल की पहचान की गई, जिनमें लगभग पांच लाख टैबलेट शामिल थीं। इनकी खेप अमेरिका के भीतर भेजी गई थी।

तालुका विधिक सेवा समिति लालसोट के तत्वावधान में विशेष लोक अदालत का आयोजन

राजीनामे से हुआ मामलों का निस्तारण

संचार जगत



लालसोट। तालुका विधिक सेवा समिति लालसोट के तत्वावधान में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश गीता पाठक की अध्यक्षता में गठित बेंच के समक्ष लालसोट न्यायक्षेत्र के विभिन्न न्यायालयों में लंबित कुल 284 प्रकरण रखे गए।

इनमें से 11 प्रकरणों का पक्षकारों की आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर निस्तारण किया गया। इन मामलों में कुल 40 लाख 35 हजार 99 रुपए की समझौता राशि निर्धारित की गई। इसमें 10 वर्ष से अधिक पुराने दो लंबित प्रकरणों का भी सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इन दोनों मामलों में पक्षकारों के बीच 5 लाख 12 हजार 683 रुपए की समझौता राशि पर सहमति बनी।

लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को आपसी सहमति से विवादों का त्वरित एवं सरल समाधान मिला।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। संपर्क : 0141 463 7668
ई-मेल : sancharjagat@gmail.com| आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262 समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में वाहन पर तैनात एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली बघीरा एटी1 का सफल प्रदर्शन किया है। बघीरा एटी1 को 18 महीने के डिजाइन और विकास के बाद तैयार किया गया है। इस दौरान अदाणी डिफेंस ने भारतीय भूभाग, जलवायु और परिचालन संबंधी जरूरतों के अनुरूप मिसाइल प्रणाली को विकसित किया। यह एक संपूर्ण युद्ध प्रणाली है, जिसमें मिसाइल, ऑटोमेटिक लॉन्चर, दिन और रात में लक्ष्य देखने के लिए साइट्स एवं अदाणी डिफेंस द्वारा डिजाइन किए गए 4×4 हाई-मोबिलिटी बख्तरबंद वाहन को शामिल किया गया है।

यह प्रणाली 8 किलोमीटर तक की दूरी पर मौजूद बख्तरबंद वाहनों को निशाना बना सकती है, जो जमीन से दागी जाने वाली एंटी-टैंक मिसाइल की लगभग 4 किलोमीटर की मारक क्षमता से दोगुनी है।

स्वचालित लॉन्चर पर दागने के लिए तैयार चार मिसाइलें और वाहन में रखी आठ अतिरिक्त मिसाइलें मिलकर प्रति वाहन कुल 12 मिसाइलों की क्षमता प्रदान करती हैं।